

04250

No. of Printed Pages : 4

MEC-008

**MASTER OF ARTS (ECONOMICS)**

**Term-End Examination**

**December, 2015**

**MEC-008 : ECONOMICS OF SOCIAL SECTOR  
AND ENVIRONMENT**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

*Note : Attempt questions from each section as per instructions given.*

**SECTION A**

*Answer any **two** questions from this section in about 500 words each.*

*2×20=40*

1. What is the need for government regulation in the environmental context ? Describe the policy instruments for government regulation.
2. Briefly highlight the importance of valuation of environment. What are the various functions of the environment that should be taken into account to estimate its total economic value ?
3. Briefly outline the importance of environmental accounting. What adjustments would you carry out in Gross Domestic Product (GDP) to obtain Environmentally Adjusted National Domestic Product (EDP) ?
4. Critically examine the decision-making process of seeking education using cost-benefit analysis.

## SECTION B

Answer any **five** questions from this section in about  
250 words each.

5×12=60

5. Critically examine the role of private sector in provision of health services. What sort of intervention by the government is needed in this context ?
6. Briefly outline the market-based instruments available to the government for abatement of pollution.
7. Provide a brief review of environmental policy of India in the context of air pollution.
8. Briefly review the major debates surrounding poverty line in India.
9. Explain how a Pigouvian tax can be imposed to internalise externalities.
10. Explain the important features of bioeconomic model as applied to the problem of fishery.
11. Bring out the major concerns of institutional economics.
12. Write short notes on the following :
  - (a) Contingent Valuation Method
  - (b) Barker's In-Utero Hypothesis

एम.ए. (अर्थशास्त्र)  
सत्रांत परीक्षा  
दिसम्बर, 2015

एम.ई.सी.-008 : सामाजिक क्षेत्र एवं  
पर्यावरण अर्थशास्त्र

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : दिए गए निर्देशानुसार प्रत्येक खण्ड से प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

खण्ड क

इस खण्ड से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए । 2×20=40

1. पर्यावरणीय संदर्भ में सरकारी विनियमन क्यों आवश्यक है ? सरकारी विनियमन संबंधी नीति प्रपत्रों का वर्णन कीजिए ।
2. पर्यावरण मूल्यन के महत्त्व पर संक्षेप में प्रकाश डालिए । पर्यावरण के कुल आर्थिक मूल्य को आकलित करने के लिए इसके किन विविध प्रकार्यों को ध्यान में रखना ज़रूरी है ?
3. पर्यावरणीय लेखाकरण के महत्त्व को संक्षेप में व्यक्त कीजिए । पर्यावरण-समायोजित राष्ट्रीय घरेलू उत्पाद (ई.डी.पी.) की प्राप्ति के लिए आप सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) में कौन-से समायोजन करेंगे ?
4. लागत-लाभ विश्लेषण के प्रयोग से शिक्षा प्राप्ति की निर्णयन प्रक्रिया की आलोचनात्मक जाँच कीजिए ।

## खण्ड ख

इस खण्ड से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।

5×12=60

5. स्वास्थ्य सेवाओं के प्रावधान में निजी क्षेत्र की भूमिका की आलोचनात्मक जाँच कीजिए । इस संदर्भ में सरकार द्वारा किस प्रकार के हस्तक्षेप की आवश्यकता है ?
6. प्रदूषण न्यूनीकरण के लिए सरकार को कौन-से बाज़ार-आधारित यंत्र (साधन) उपलब्ध हैं ? संक्षेप में व्यक्त कीजिए ।
7. वायु प्रदूषण के संदर्भ में भारत की पर्यावरणीय नीति की संक्षेप में समीक्षा कीजिए ।
8. भारत में गरीबी रेखा पर आधारित मुख्य परिचर्चाओं की संक्षेप में समीक्षा कीजिए ।
9. बाह्यताओं (externalities) को आंतरिक रूप देने में, पीगू (Pigouvian) कर कैसे लगाया जा सकता है ? व्याख्या कीजिए ।
10. मत्स्य-पालन की समस्या के लिए अनुप्रयुक्त, जीवपारिस्थितिकी मॉडल की महत्वपूर्ण विशेषताओं की व्याख्या कीजिए ।
11. संस्थागत अर्थशास्त्र के मुख्य मुद्दों पर प्रकाश डालिए ।
12. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
  - (क) आकस्मिक (Contingent) मूल्यन विधि
  - (ख) बार्कर की इन-यूटेरो (In-Utero) परिकल्पना